

Hindi: Post Independent Hindi Literature

समय: 3:00 घंटे

पूर्णांक 100

प्रश्न 1. स्वातंत्र्योत्तर कविता का अर्थ बताकर उसकी संवेदना और शिल्प का परिचय दीजिए। 20

अथवा

निबंध साहित्य की परिभाषा बताते हुए उसके भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 20

क) “जो छोटी- सी नैया लेकर

उतर करने को उदधि-पार;

मन की मन में ही रही, स्वयं

हो गए उसी में निराकार।

उनको प्रणाम।”

अथवा

“बाजारे- नुमाइश में, मैं किरदार सँभालू,

घर बार सँभालू कि तेरा प्यार सँभालू।”

ख) “स्वार्थ तो सब में होता है। पशुओं में भी है मनुष्य में भी है। जहां तक स्वार्थ का संबंध है, मनुष्य पशु ही तो है। अगर पशु कहना कुछ कड़ा मालूम होता हो तो उसे 'बड़ा पशु' कहिये।”

अथवा

“अखबार इस सभ्यता का सबसे बड़ा फूल है जिसकी सुगंध बिना हवा के संसार भर में फैल रही है। यों तो यह 'बारहमासा' है परंतु इसके फलने की विशेष ऋतु है युद्ध।”

प्रश्न 3. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' इस कविता का यथार्थ भाव बताइए। 20

अथवा

'प्रमथ्यु गाथा' कविता की संवेदना को अभिव्यक्त कीजिए।

प्रश्न 4. 'पांत का आखिरी आदमी' निबंध का महत्व विशद कीजिए।

20

अथवा

'मनुष्य की सर्वोत्तम कृति: साहित्य' इस वाक्य को निबंध के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

20

क) बाजारे नुमाइश में ग़ज़ल का भाव सौंदर्य

ख) 'नया कवि' कविता की मूल संवेदना

ग) 'मनुष्य और ठग' का यथार्थ भाव

घ) हिम्मत और जिंदगी का उद्देश्य

\*\*\*\*\*